आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 14 लखनऊ, मंगलवार 14 जुलई से 20 जुलई, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

लखनऊ में १६६ नए मिले कोरोना मरीज, मोहनलाल गंज कोतवाली सील

लखनऊ। कोरोना का प्रकोप दिनों दिन बढ़ रहा है। सोमवार को कई मोहल्लों में मरीजों की भरमार रही। वहीं पुलिस कर्मी संक्रमित होने से मोहनलाल गंज कोतवाली सील कर दी गई है। कुल १६६ मरीजों में कोरोना की पुष्टि हुई है। ऐसे में अब शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या २४६६ हो गई। यह मरीज निराला नगर के दो, अमौसी के दो,वृंदावन के दो, बालागंज के दो, अलीगंज के पांच, राजाजीपुरम के पांच, आलमबाग के नौ, याहियागंज के एक, मोहनलालगंज के दो, गोमती नगर के १५, राजेंद्र नगर के तीन, मानक नगर में एक, आशियाना में एक, चिनहट में पांच, इंदिरा नगर में सात, गढ़ी कनौरा में एक, विक्रमादित्य मार्ग के दो, रज्जब गंज में छह, जानकीपुरम में १२, सरफराजगंज में एक, देवरी के चार, सर्वोदय नगर में एक, त्रिवेणी नगर में तीन, कृष्णा नगर में एक, सरोजनी नगर में तीन, सहादतगंज में एक, गोलागंज में एक, मेहंदी गंज में चार, एलडीए में तीन , एंबुलेंस दफ्तर के नौ, जपलिंग रोड १७ रकाबगंज का एक, अमीनाबाद में तीन, रानीगंज में तीन, लाल कुआं में चार, रायबरेली रोड का एक, डालीगंज में तीन, कैसरबाग में एक, बालू अड्डा में एक, सालेनगर में एक, चौक में पांच, राजा बाजार में दो, फैजाबाद रोड का एक, पुराना बादशाह नगर में दो, आइएम रोड का एक, कुर्सी रोड के दो, महानगर के छह, नरही का एक,ठाकुरगंज

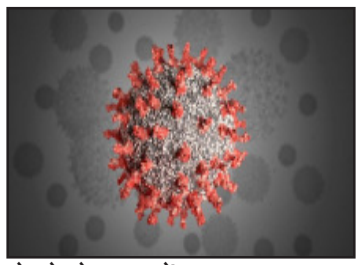

के दो, ऐशबाग में एक, मानक नगर में एक व टिकैत गंज में एक कोरोना मरीज पाया गया है। इस दौरान २१ रोगियों ने अस्पतालों से कोरोना से जंग जीती। सीएमओ ने ५५ क्षेत्रों को कन्टेनमेन्ट जोन बनाये जाने के लिए डीएम को पत्र भेजा। वहीं कान्टेक्ट ट्रेसिंग के आधार पर ८३३ लोगों का सैंपल संग्रह कर भेजा गया। शहर में कई परिवारों के सभी सदस्य संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। वहीं अब जॉपलिंग रोड के एक परिवार में १७ लोगों में वायरय की पुष्टि हुई है। यह अब तक के एक परिवार में सबसे अधिक मरीजों की संख्या रही। इससे पहले कैंट के एक परिवार में १४ के करीब मरीज संक्रमित पाए गए।सिविल अस्पताल में आठ वर्ष के बच्चे को चोट लगने पर भर्ती किया गया। उसमें जांच में कोरोना पाया गया। ऐसे में जिस यूनिट में वह भर्ती था, उसे सैनिटाइज कर ४८ घंटे के लिए बंद कर दिया गया। उधर, मोहनलालगंज के सिसेंडी में एक किशोरी में कोरोना की पुष्टि हुई है। जनपद में १० और कोरोना के नए केस मिले हैं। ऐसे में अब एक्टिव कोरोना पॉजिटिव की संख्या बढ़कर १६५ हो गई है। शहर के फतेहगंज, देव नगर कॉलोनी नाका नवीन मंडी व मुकेरी टोला में एक–एक कोरोना मरीज मिले हैं। खंडासा अमानीगंज के एक ही परिवार के ४ लोग कोरोना पाजिटिव मिले हैं। पूरा ब्लॉक के कुरकी मडना में एक व तारुन तकमीनगंज में एक व मसौधा के सरियावां रानी बाजार में एक कोरोना पाजिटिव मरीज मिला है।

निराधार आरोप लगाकर मेरे खिलाफ चलाया गया : कल्याण सिंह

लखनऊ। अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के मामले में सोमवार को आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और धर्म सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष दुबे सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए। कड़ी सुरक्षा के बीच कल्याण सिंह को कोर्ट में पेश किया गया। अयोध्या में विवादित ढांचाढांचा गिराये जाने के मामले में कुल ४६ लोगो को आरोपित बनाया गया था। इसमें से ३२ लोगों के बयान दर्ज हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारते हुए कहा कि ढांचा ढहाए जाने में मेरी सरकार का हाथ नहीं था। उन्होंने इसे कांग्रेस की तत्कालीन केंद्र सरकार की राजनीतिक साजिश बताया। अयोध्या में विवादित ढांचा गिराये जाने के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने कहा कि केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने निराधार आरोप लगाकर मेरे खिलाफ मुकदमा चलाया। कल्याण सिंह लखनऊ में सोमवार को सीबीआई कोर्ट में अयोध्या के विवादित ढांचा ध्वंस मामले में बयान देने के बाद मीडिया से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश का मुख्यमंत्री होने के नाते कानून–व्यवस्था को लेकर जो भी मेरी जिम्मेदारी थी मैंने उसका पूरी तरह पालन किया। कल्याण सिंह ने कहा कि उस समय ढांचे की सुरक्षा के लिए यूपी सरकार ने त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की थी। इस संबंध में

तमाम प्रशासनिक अधिकारियों को लगाया गया था और सरकार पूरी तरह सजग थी। इसमें कहीं पर भी सरकार की तरफ से किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई । तत्कालीन कांग्रेस की केंद्र सरकार ने इस पूरे प्रकरण में राजनीतिक विद्वेष के चलते मुझे फंसाया। अयोध्या प्रकरण में सीबीआइ कोर्ट के विशेष जज सुरेंद्र कुमार यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह से २ सवाल किए, करीब ४ घंटे तक कल्याण सिंह ने अपने बयान दर्ज कराए। कोर्ट पहुंचे धर्म सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष दुबे ने कहा कि ढांचा ढहाने में उनका हाथ नहीं है। लेकिन उनकी हमेशा ये चाहत रही की वहां पर एक भव्य राम मंदिर बने और इसके लघ्यि वह काम करते रहेंगे। संतोष ने राम मंदिर निर्माण के लिए सरकार द्वारा बनाये गए ट्रस्ट पर भी सवाल उठाये। संतोष ने कहा ट्रस्ट में जो लोग शामिल किये गए है उनका राम मंदिर से कोई लेना–देना नहीं है। अयोध्या ढांचा ध्वंस मामले में ६ दिसंबर १६६२ को थाना राम जन्मभूमि में एफआइआर दर्ज कराई गई थी। इस मामले में सीबीआइ ने जांच करते हुए ४६ आरोपघ्तिों के खिलाफ विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। वहीं, आरोपितों में से १७ की मौत हो चुकी है। अशोक सिंघल, गिरिराज किशोर, विष्णु हरि डालमिया, मोरेश्वर सावे, महंत अवेद्यनाथ, महामंडलेश्वर जगदीश मुनि महाराज, वैकुंठ लाल शर्मा, परमहंस रामचंद्र दास, ड. सतीश नागर, बालासाहेब ठाकरे, तत्कालीन एसएसपी डीबी राय, रमेश प्रताप सिंह, महात्यागी हरगोविंद सिंह, लक्ष्मी नारायण दास, राम नारायण दास एवं विनोद कुमार बंसल की मृत्यु हो चुकी है। उच्च न्यायालय के निर्देश पर विशेष अदालत में प्रतिदिन सुनवाई की जा रही है। आगामी ३१ अगस्त को निर्णय सुनाया जाना है।

आलमबाग इलाके में दहशत, हरदोई के जिला पंचायत सदस्य दंपति पर जानलेवा हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में सोमवार रात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग से आलमबाग इलाके में दहशत फैला दी। हमलावर हरदोई से जिला पंचायत सदस्य दंपति को जान से मारने आए थे। हमले में जिला पंचायत सदस्य के ड्राइवर को गोली लगी है। वहीं दंपति बाल बाल बच गए हैं। गंभीर अवस्था में चालक को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उधर, हमलावर करीब १० से ज्यादा राउंड फायरिंग कर भाग निकले। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।दरअसल, हरदोई

जिले के कछौना प्रथम से सुरेंद्र कालिया और कछौना द्वितीय से उनकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य हैं। सोमवार को सुरेंद्र कालिया पत्नी के साथ लखनऊ आए थे। दोनों रेलवे में ठेकेदारी करने वाले जुबेर सिद्दीकी को एक निजी अस्पताल में देखने आए थे। अस्पताल से जुबेर को देखने के बाद दंपति वापस जा रहे थे। इसी बीच पहले से घात लगाए दो बदमाशों ने अजंता अस्पताल के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। दंपति ने किसी तरह छिपकर अपनी जान बचाई। हालांकि, गोलीबारी में उनका चालक रूपराम घायल हो गया। रूपराम के पैर व पेट में गोली लगी है। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में दहशत फैल गई। लोग इधर– उधर भागने लगे। जानकारी पाकर पहुंची आलमबाग पुलिस ने रूपराम को पहले अजंता अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक छानबीन में जमीन व टेंडर के विवाद में हमले की आशंका जताई जा रही है। हमला किसने किया यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सुरेंद्र कालिया व उनकी पत्नी से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि रंजिश, जमीन व टेंडर विवाद, लेन देन समेत अन्य बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। घायल की हालत खतरे से बाहर है। तहरीर के आध ाार पर एफआइआर दर्ज कर बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा। घटनास्थल के आसपास लगे सीसी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्दी वारदात का राजफाश कर लिया जाएगा।

सम्पादकीय

35 साल तक बेखौफ अपराध के बाद एनकाउंटर

अक्सर अपराधी कोई बड़ा अपराध करने के बाद पुलिस से बचने के लिए सुरक्षित जगह छिप जाते हैं या फिर बचकर भागते रहते हैं। कुछ ऐसा ही विकास दुबे के साथ भी हुआ वह सात दिन तक पुलिस की नजरों से बचकर भागता रहा लेकिन अचानक महाकाल मंदिर में दर्शन करने के बाद लोगों की नजरों में आ गया। इस बात को लेकर आम लोगों के बीच भी कई सवाल उठ रहे हैं। अगर उसे उज्जैन से लाने वाले पुलिस कर्मियों की बात पर यकीन किया जाए तो विकास अपनों की मौत से काफी टूट गया था क्योंकि पुलिस ने इस बीच मुठभेड़ में उसके पांच करीबियों को एनकाउंटर में मार गिराया था। वैसे पुलिस रिकार्ड में विकास के गैंग में कुल १२ सदस्य थे लेकिन अभी उसके गैंग का तनिक भी बाल–बांका नहीं हुआ। पुलिसिया दस्तावेज बताते हैं कि १७ साल की उम्र में आपराधिक दुनिया में कदम रखने वाला विकास दुबे ३५ साल तक बेखौफ होकर आपराधिक वारदातें करता रहा और पुलिस सिर्फ चिरौरी में लगी रही। उसके खिलाफ जो भी कार्रवाई हुई, दिखावे के लिए हुई। उसके सियासी आका हमेशा बचाते रहे। हर दल में उसकी तगड़ी पैठ रही। विकास का गैंग (डी–१२४) ३० जून २०१८ को पंजीकृत हुआ। यह तत्कालीन एसएसपी अखिलेश कुमार के आदेश से हुआ। गैंग में विकास के साथ कुल १२ सदस्य हैं। इनमें सबसे खास सदस्य सुज्जापुर भीटी निवासी विष्णुपाल सिंह उर्फ जिलेदार प्रधान है। दो जुलाई को आठ पुलिसकर्मियों की हत्या में विकास के साथ सिर्फ जिलेदार सिंह ही नामजद है। गिरोह के बाकी बचे १० बदमाश न नामजद किए गए, न ही उनका कोई अता–पता है। यह भी हैरानी की बात है कि विकास का सिक्का कई राज्यों तक चलता था, लेकिन उसके गैंग में कानपुर से बाहर का कोई सदस्य नहीं है। पुलिसकर्मियों की हत्या में २१ नामजद आरोपितों में १२ फरार हैं। तीन जेल में और छह मारे जा चुके। पुलिस ने जिन्हें मारा या पकड़ा है, वे सभी उसके खानदानी, पड़ोसी या करीबी ही हैं। विकास दुबे शायद अभी भी पुलिस की पकड़ में नहीं आता, अगर पुलिस के हाथों उसके करीबी साथी नहीं मारे गए होते। साथियों के लगातार मारे जाने से ही वह टूट गया था। विकास को उज्जैन से लेने गई एसटीएफ टीम के अधिकारियों के मुताबिक मध्य प्रदेश से उनको जानकारी हुई कि विकास दुबे बाहर से कड़ा दिखाई देने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अंदर से टूट चुका था। उसके पीछे बड़ा कारण उसके करीबियों का मारा जाना था। विशेष कर अमर दुबे, अतुल दुबे की मौत से वह बहुत दुखी था। उसने संतोष व्यक्त किया था कि उसकी गिरफ्तारी के बाद एनकाउंटर बंद हो जाएंगे। उसे इस बात की भी चिंता थी कि जब वह जेल से छूटकर गांव जाएगा तो उन परिवारों को क्या जवाब देगा, जिनके अपनों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार दिया। बता दें कि कानपुर का कुख्यात बदमाश और आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मुख्य आरोपी विकास दुबे को एक यूपी पुलिस की एसटीएफ ने एक मुठभेड़ में मार गिराया है।

राज्यपाल लालजी टंडन की हालत गंभीर

घ्लखनऊ। मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन की हालत गंभीर है। मेदांता लखनऊ में भर्ती टंडन वेंलिटेटर पर हैं। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर के मुताबिक, राज्यपाल की डायलिसिस भी की जा रही है। राज्यपाल को ११ जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं, १३ जून को वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया। दो दिन बीच में बाई–पैप मशीन पर भी रहे।मालूम हो कि मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन को ११ जून को स्वास्थ्य खराब होने पर मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। १३ जून को पेट में रक्तस्राव होने पर उनका अपरेशन किया गया। इसके बाद से वह लगातार क्रिटिकल केयर वेंटिलेटर पर थे। बीच–बीच में कुछ देर के लिए वेंटिलेटर हटाया गया। २७ जून को उन्हें प्रेशर में अक्सीजन देने के लिए बाई–पैप मशीन पर रखा गया। लेकिन, उन्हें राहत नहीं मिली। लिहाजा, सोमवार को फिर राज्यपाल को क्रिटिकल केयर

वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया। मेदांता अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर के मुताबिक, राज्यपाल को कोमोर्बिटीज और न्यूरो मस्कुलर की समस्या है। सांस लेने में दिक्कत हो रही है। ऐसे में फिर उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाई–पैप और वेंटिलेटर दोनों मैके निकल वेंटिलेशन मशीनें हैं। मरीज यदि गंभीर है और बेहोशी में नहीं है। मगर, सांस लेने में असमर्थ है। कार्बन डाई अक्साइड बाहर नहीं निकाल पा रहा है। ऐसी स्थिति में बाई–पैप मशीन का सपोर्ट दिया जाता है। इसमें मुंह–नाक पर मास्क लगाकर प्रेशर में ऑक्सीजन दी जाती है। वहीं, मरीज में बेहोशी आने लगे, शरीर में अम्लता बढ़ जाए, कॉर्बन डाई ऑक्साइड और बढ़ जाए तो ऐसी स्थिति में मरीज अति गंभीर होने लगता है। उसे वेंटिलेटर सपोर्ट देना बेहतर रहता है। इसमें मरीज के गले के पास ट्रैकियोस्टमी की जाती है। उसमें इंडोट्रैकियल ट्यूब डाल दी जाती है। इसके जरिये डायरेक्ट ऑक्सीजन पहुंचती है।

भाजपा ने अपराधियों को न सिर्फ पनाह दी, बल्कि रोक पाने में भी पूरी तौर पर विफलः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने न सिर्फ अपराधियों को पनाह दी, बल्कि अपराधों को रोक पाने में भी पूरी तौर पर विफल रही है। फर्जी एनकाउंटर के उनके प्रयोग से अपराधी तो डरे नहीं, निर्दोष जरूर भयग्रस्त हो गए हैं। आखिर भाजपा न्यायालयों पर भरोसा क्यों नहीं करती है? अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री की श्ठोंको नीतिश के कारण अपराध ा बढ़ते जा रहे हैं। अपनी विफलता के बारे में चर्चा करना भाजपा नेतृत्व को रास नहीं आता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि सत्ता के मद में विधिक प्रक्रिया से बाहर जाकर पुलिस बल का दुरुपयोग करने से अपराधों पर रोक नहीं लग सकती। जब तक भाजपा अपने बचाव में दूसरों को फंसाने की रणनीति पर काम करती रहेगी, तब तक सुशासन स्थापित नहीं हो सकता। बदले की भावना से विपक्ष पर हमलावर होने से

भाजपा को कुछ मिलने वाला नहीं, क्योंकि झूठ के पैर नहीं होते हैं। समाज में नफरत फैलाना और समाज को बांट कर राजनीति करना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपराओं के विरुद्ध है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार की यह जिम्मेदारी है कि समाज में सभी के साथ बराबरी का व्यवहार होना चाहिए। जाति के आधार पर निर्णय करने से समाज में असंतोष व्याप्त होता है। इसलिए समाजवादी पार्टी सदैव सामाजिक न्याय की पक्षधर रही है, जिससे किसी भी वर्ग के अधिकारों का हनन न हो। बराबरी का समाज बनने से भेदभाव मिटता है। उन्होंने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री की 'ठोंको नीति' के कारण अपराध बढ़ते जा रहे हैं। अपनी विफलता के बारे में चर्चा करना भाजपा नेतृत्व को रास नहीं आता है। प्रदेश में तीन वर्ष चार माह में जनता को भाजपा ने उलझा दिया है। गुमराह करने को ही भाजपा अपनी सफलता समझती है।

विकास की काली कमाई से जुटाई संपत्तियों की जांच जुटा ईडी

लखनऊ। कानपुर कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे और उसके गिरोह की काली कमाई से जुटाई गई संपत्तियों की जांच शुरू करने से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अपने होमवर्क में जुटा है। जल्द ईडी के लखनऊ स्थित जोनल मुख्यालय की एक टीम दोबारा कानपुर जाने की तैयारी कर रही है। ईडी अधिकारियों ने कानपुर पुलिस से अब तक मिले दस्तावेजों का अध्ययन शुरू कर दिया है। अन्य दस्तावेजों को जुटाने की कसरत के साथ ही आयकर विभाग से भी संपर्क साधा गया है। सूत्रों का कहना है कि ईडी विकास दुबे व उसके कुछ करीबियों की सीडीआर (कॉल डिटेल रिकार्ड) का भी अध्ययन कर रही है।ईडी की निगाह विकास दुबे व उसके गिरोह के सदस्यों की प्रापर्टी के साथ ही खासकर उन बेनामी संपत्तियों पर रहेगी, जो काली कमाई से जुटाई गई हैं। इसके लिए ईडी ने विकास दुबे के खजांची

जय वायपेयी से पूछताछ में सामने आए बैंक खातों का ब्योरा भी जुटाना शुरू कर दिया है। कानपुर पुलिस ने विकास दुबे के विरुद्ध दर्ज एफआइआर समेत कुछ दस्तावेज हासिल करने के बाद ईडी उनका सिलसिलेवार अध्ययन कर रही है। उधर, कानपुर कांड में पुलिस की भूमिका समेत अन्य बिंदुओं की जांच के लिए अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में गठित एसआइटी की निगाह भी विकास दुबे व उसके साथियों की काली कमाई पर होगी। हालांकि कानपुर पुलिस ने अब तक विकास दुबे की संपत्तियों से जुड़ी कई अहम जानकारियां जुटाई हैं, जिनके आधार पर आगे की छानबीन की जा रही है। विकास दुबे के पासपोर्ट को लेकर कानपुर व लखनऊ से जानकारी जुटाई जा रही है। उसके लखनऊ के कृष्णानगर स्थित अपने आवास के पते पर भी पासपोर्ट बनवाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इसे लेकर अभी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ सकी है

निदेशक प्रो. आरके धीमान ने संभाला KGMU कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर संस्थान (**SGPGI**) निदेशक को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (**KGMU**) कुलपति का कार्यभार सौंपा गया है। वह स्थाई कुलपति की नियुक्ति तक दोहरी जिम्मेंदारी निभाएंगे। वहीं, कुलपति रहे प्रो. एमएलबी भट्ट की विभाग में वापसी हो गई है। राजभवन का यह निर्णय संस्थान में कैंपस में चर्चा का विषय बना रहा।केजीएमयू के कुल पित रहे प्रो. एमएलबी भट्ट का कार्यकाल चार अप्रैल को समाप्त हो गया था। वहीं कोरोना की वजह से नए कुलपति पद के चयन की प्रक्रिया बाधित हो गई। ऐसे में राजभवन ने प्रो. एमएलबी भट्ट का सेवा विस्तार तीन माह या नए कुलपति की नियुक्ति तक के लिए कर दिया। वहीं, कुल पति पद के चयन समिति के भेजे गए पांचों नाम राजभवन ने खारिज कर दिए। उसका दोबारा विज्ञापन भी जारी कर दिया है। लिहाजा, नए कुलपति के आने तक प्रो. एमएलबी भट्ट के पास ही चार्ज रहने की उम्मीद बनी।वहीं, राजभवन ने सोमवार को आदेश जारी कर सबको चौंका दिया। केजीएमयू के कुलपति पद का कार्यभार प्रो. एमएलबी भट्ट के पास बने रखाने के बजाए एसजीपीजीआइ निदेशक प्रो. आरके धीमान को कार्यवाहक कुलपति बना दिया। प्रो. धीमान तीन माह या नए कुलपति की नियुक्ति तक कार्यभार संभालेंगे। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक प्रो. आरके धीमान ने यूनीवर्सिटी का कार्यभार संभाल लिया है। वहीं, पूर्व कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट की रेडियोथेरेपी विभाग में वापसी हो गई है।

घर या दफ्तर में न जुटाएं भीड़ : सीएम योगी

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार में योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री और भाजपा व अन्य पार्टियों के विधायक भी आ रहे हैं। बड़ी संख्या में मंत्रियों तथा विधायकों के कोरोना वायरस की चपेट में आने के कारण सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन सभी को सख्त निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सतर्क करने के साथ सलाह भी नी है कि घर या दफ्तर में भीड़ न जुटाएं। संक्रमित होने के बाद अपने तथा घर के लोगों की जांच जरूर कराएं।कोरोना वायरस के संक्रमण पर बेहद गंभीर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने मंत्रियों को कम से कम लोगों के संपर्क में आने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मंत्रियों को कहा गया है कि वह अपने घर और दफ्तर में मिलने वालों की भीड़ जमा न करें। इसके साथ ही बेहद जरूरी होने पर ही वह फील्ड में जाएं। उन्होंने कहा कि मंत्री भी फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करें। अपने घर और दफ्तर को पूरी तरह से सैनिटाइज कराएं। प्रदेश सरकार के मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, धर्म सिंह सैनी, चेतन चौहान, उपेंद्र तिवारी तथा रघुराज सिंह के कोरोना पॉजिटिव निकलने बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को यह सख्त निर्देश दिया है। कैबिनेट मंत्री मोती सिंह का पूरा परिवार कोरोना संक्रमित हो गया था। इसके बाद तो लाइन लग गई। आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी संक्रमित पाए गए हैं। होमगार्ड व राजनैतिक पेंशन मंत्री चेतन चौहान तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उपेंद्र तिवारी के साथ श्रम राज्य मंत्री रघुराज सिंह के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद इलाज करा रहे हैं।कोरोना के संक्रमण ने विधानसभा सचिवालय को भी चपेट में लिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष के ओएसडी पंकज मिश्रा कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष का एक गार्ड भी कोरोना संक्रमित मिला है। इन सबके संक्रमित पाये जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों को सतर्कता बरतने के

निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए मोबाइल वैन के जरिए हर मोहल्ले में जांच के निर्देश दिये हैं। अब मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि शीघ्र आरटी–पीसीआर को मोबाइल वैन के जरिए हर घर तक पहुंचाया जाए। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच हो सके। अधिक से अधिक जांच से ही संक्रमण को कंट्रोल किया जा सकेगा। एक बार फिर जांच को हर रोज ५० हजार तक पहुंचाने का सीएम योगी ने निर्देश दिया है। इसके साथ एल–१ कोविड अस्पतालों और बेड की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बिना लक्षण वाले मरीजों को एल–१ अस्पतालों में भर्ती किया जाएगा। सरकार ने सैनिटाइजेशन के लिए भी अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।ज्यादा संक्रमण वाले जिलों में चलेंगी मोबाइल टेस्टिंग वैन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब कोरोना संक्रमण के जांच का लक्ष्य लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। ५० हजार जांच प्रतिदिन का लक्ष्य दे चुके योगी ने अब ज्यादा संक्रमण वाले जिलों में मोबाइल टेस्टिंग वैन चलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही वाराणसी, बलिया, गाजियाबाद और झांसी में अधिक नमूने लिए जाने के लिए कहा है। सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक शनिवार और रविवार को पूरे प्रदेश में स्वच्छता व सैनिटाइजेशन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के विशेष कार्याधिकारी पंकज मिश्रा कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। विशेष कार्य अधिकारी पंकज मिश्रा को पीजीआई में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के निजी सहायक अजय प्रताप सिंह भी पॉजिटिव हो गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष के निजी सहायक अजय प्रताप सिंह को लोहिया संस्थान में भर्ती कराया गया। गनीमत की बात है कि विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आ गई है, हालांकि वह क्वॉरंटीन ही रहेंगे।

कांग्रेस से निलंबित अदिति सिंह तथा राकेश सिंह विधायक बने रहेंगे

लखनऊ। राजस्थान में सोमवार को भले ही कांग्रेस का संकट टल गया, लेकिन उत्तर प्रदेश में पार्टी को जोरदार झटका लगा है। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष से पार्टी के दो विधायक अदिति सिंह तथा राकेश सिंह की सदस्यता समाप्त करने को लेकर याचिका दायर की थी। विधानसभा अध्यक्ष ने लम्बी सुनवाई के बाद कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया है। अब कांग्रेस से निलंबित अदिति सिंह तथा राकेश सिंह विधायक बने रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के दोनों बागी विधायकों अदिति सिंह व राकेश सिंह की सदस्यता रद करने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने दोनों याचिकाओं को बलहीन बताते हुए उन्हें खारिज किया।विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कांग्रेस की याचिका को खारिज करते हुए विधायक अदिति सिंह व राकेश सिंह की सदस्यता को बरकरार रखा है। इस आशय का फैसला सोमवार को दीक्षित ने सुनाया। बता दे कि कांग्रेस विधानमंडल दल नेता ने रायबरेली सदर की विधायक अदिति सिंह और रायबरेली जिले की हरचंद पुर सीट से विधायक राकेश सिंह की सदस्यता

दल–बदल के आरोप में निरस्त करने की याचिका दायर की थी।कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने विधायक अदिति सिंह की सदस्यता समाप्त करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष २६ नवंबर २०१६ को एक याचिका दी थी। कांग्रेस का आरोप है कि अदिति सिंह ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन करते हुए २ अक्टूबर २०१६ को सरकार के बुलाए गए विशेष सत्र में हिस्सा लिया, जबकि पार्टी ने गांधी जयंती पर सरकार के इस विशेष सत्र का बहिष्कार करते हुए विधायकों के लिए व्हिप जारी किया था।कांग्रेस ने रायबरेली से विधायक अदिति सिंह तथा रायबरेली के ही हरचंदपुर से पार्टी के विधायक राकेश सिंह के बगावती तेवर के कारण दलबदल कानून के तहत इनकी विधानसभा सदस्यता को रद करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के पास पत्र भेजा था। लम्बी सुनवाई के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने फैसला सुरक्षित रखा था। सोमवार को उन्होंने अपना फैसला सुना दिया, जिसके तहत अदिति सिंह तथा राकेश सिंह की विधानसभा सदस्यता रद नहीं होगी। अदिति सिंह रायबरेली के सदर से कांग्रेस की विधायक हैं और तमाम मौके पर पार्टी विरोधी रुख अपनाती रही हैं।कांग्रेस ने ३१ मई २०१६ को अपने एक और विधायक राकेश सिंह की सदस्यता रद करने के लिए याचिका दी थी। रायबरेली सीट पर होने वाले लोकसभा चुनाव में हरचंदपुर के विधायक राकेश सिंह ने सोनिया गांधी का विरोध किया था।रायबरेली सदर की विधायक अदिति सिंह के सुर कांग्रेस के खिलाफ होने के बाद उनको पार्टी से निलंबित कर दिया गया। अदिति सिंह रायबरेली के पूर्व विधायक अखिलेश सिंह की पुत्री हैं। वह वर्ष २०१७ में चुनाव लड़ी थीं। अब निगाहें अदिति सिंह के अगले कदम पर टिकी हैं। उम्मीद है वह भाजपा का दामन थामेंगी। रायबरेली जिले की ही हरचंदपुर सीट से कांग्रेस विधायक राकेश सिंह भाजपा में शामिल हो चुके एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह के सगे भाई हैं। दिनेश प्रताप सिंह को भाजपा ने लोकसभा चुनाव २०१६ में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ रायबरेली से मैदान में उतारा था।इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस के दो विधायकों अदिति सिंह और राकेश सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह आदेश जस्टिस पंकज कुमार जायसवाल और जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की बेंच ने दिया है। मामले की अगली सुनवाई १४ जुलाई को होगी। कांग्रेस की विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने दो अलग–अलग याचिकाएं दायर कर अदालत से मांग की है कि वह विधानसभा अध्यक्ष को निर्देशित करें कि याची की अर्जियों को शीघ्र निस्तारित करें। मामले में याची अराधना मिश्रा के वकील केसी कौशिक का तर्क था कि अदिति और राकेश २०१७ में कांग्रेस के टिकट पर जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। बाद में उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियां शुरू कर दीं। उनकी विधानसभा से सदस्यता समाप्त करने के लिए स्पीकर के सामने अर्जी दी गई और कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले की नजीर है कि सदस्यता समाप्त करने वाली अर्जियां तीन सप्ताह के भीतर निस्तारित कर दी जाएं। इस मामले में तीन माह बाद भी स्पीकर ने अर्जी निस्तारित नहीं की।

मामूली कहासुनी में चाकू मारकर किया लहूलुहान

अमेठी । जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे सिद्धि औरंगाबाद गाँव में मामूली कहासुनी में दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने एक युवक को चाकुओं से गोदकर लहूलुहान कर दिया।आनन–फानन में परिजनों ने घायल को सीएचसी मुसाफिरखाना पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डक्टरों ने घायल युवक को लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में में हैदरगढ़ के पास युवक ने दम तोड़ दिया।मिली जानकारी के अनुसार मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे सिद्धि औरंगाबाद गाँव में रविवार दोपहर धान के खेत में पानी लगाते समय दो पक्षों में कहासुनी हो गई। जिसके बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझा कर शांत करवा दिया. लेकिन शाम होते ही एक बार फिर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक युवक ने हंसराज पासी (२२) पुत्र राम जियावन नाम के युवक को चाकू से गोदकर लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने घायल को सीएचसी मुसाफिरखाना पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय घायल युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। जिसके बाद से गांव में तनाव का माहौल है।वहीं इस पूरे मामले पर क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना संतोष कुमार ने बताया कि रविवार देर शाम मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पूरे सिद्धि औरंगाबाद गाँव में दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। जिसमें एक युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक के मामा की तहरीर के आधार पर

घरेलू विवाद में गोमती नदी में कूदी महिला, पुलिस ने बचाई जान

लखनऊ। पारिवारिक विवाद में रविवार देर रात एक महिला ने लक्ष्मण मेला के पास गोमती नदी में छलांग लगा दी। जानकारी पाकर लक्ष्मण मेला चौकी इंचार्ज ने मातहतों के साथ नदी में उतर कर महिला को बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसीपी हजरतगंज अभय कुमार मिश्र के मुताबिक महिला की हालत खतरे से बाहर है। वह किसी बात पर पति से नाराज होकर घर से बाहर निकली थी। इंस्पेक्टर हजरतगंज अंजनी कुमार पांडेय के मुताबिक लक्ष्मण मेला के पास रहने वाले शुभम बंसल की शादी एक जुलाई को काजल से हुई थी। बताया जा रहा है कि काजल शादी नहीं करना चाहती थी। हालांकि घरवालों के दबाव में उसकी शादी हो गई। रविवार को किसी बात पर काजल का शुभम से विवाद हो गया था। इसके बाद काजल रविवार रात में घर से निकल गई थी। इसके बाद उसने लक्ष्मण मेला के पास गोमती नदी में छलांग लगा दी। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है। काजल के घरवालों को घटना की सूचना दे दी गई है।

अद्भुत झील : कंकालों वाली रूपकुंड झील

अमरेन्द्र सहाय अमर

समुद्र तल से ५००० मीटर की उंचाई पर है रूपकुंड झील. उत्तराखंड के हिमालयन क्षेत्र में. इसे कंकालों वाली झील भी कहा जाता है. क्योंकि इसके आस पास कई कंकाल बिखरे हुए हैं. कहानियां और उनके आदमियों की हैं. जो १८४१ में तिब्बत के युद्ध से लौट रहे थे. १९४२ में पहली बार एक ब्रिटिश फरेस्ट गार्ड को ये कंकाल दिखे थे, उस समय ये माना गया था कि ये जापानी सैनिकों के कंकाल हैं जो द्वितीय विश्व युद्ध में

कई हैं. एक दंतकथा बताती है कि राजा और रानी की कहानी, सदियों पुरानी. इस झील के पास ही नंदा देवी का मंदिर है. पहाड़ों की देवी. उनके दर्शन के लिए एक राजा और रानी ने पहाड़ चढ़ने की ठानी. लेकिन वो अकेले नहीं गए. अपने साथ लाव–लश्कर ले कर गए. रास्ते भर धमा–चौकड़ी मचाई. राग–रंग में डूबे हुए सफर तय किया. ये देख देवी गुस्सा हो गईं. उनका क्रोध बिजली बनकर उन पर गिरा. और वो वहीं मौत के मुंह में समा गए. कहने वाले ये भी कहते हैं कि ये किसी महामारी के शिकार लोग थे. कुछ लोग कहते थे ये आर्मी वाले लोग हैं जो बर्फ के तूफान में फंस गए. कुछ लोगों का मानना था कि ये अस्थियां कश्मीर के जनरल जोरावर सिंह

वहां के रास्ते जा रहे थे और वहीं फंस कर रह गए. पहले माना गया था कि इन कंकालों में एक समूह एक परिवार का था, दूसरा कद में मझोले लोगों का. लेकिन अब पता चला है. भारत, ग्रीस, और साउथ ईस्ट एशिया के लोगों के कंकाल इनमें शामिल हैं. ये कैसे पता चला? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक स्टडी की गई. इन कंकालों की. उसकी रिपोर्ट अब छपी है. रिपोर्ट में पता चला है कि आखिर इन कंकालों का इतिहास क्या है. नेचर कम्यूनिकेशंस पोर्टल पर ये स्टडी छपी है. इस स्टडी को करने वालों में भारत के लोग भी शामिल थे. इस छान बीन और स्टडी के अनुसार ७१ कंकालों के टेस्ट हुए. इनमें से कुछ की कार्बन डेटिंग हुई. कुछ का डीएनए जांचा गया.

कार्बन डेटिंग एक टेस्ट है जिससे पता चलता है कि कोई भी अवशेष कितना पुराना है. इनकी अभी तक जांच नहीं हुई थी. इसलिए क्योंकि एक तो जिस जगह ये झील है वहां के रास्ते में और आस–पास लैंडस्लाइड बहुत होती हैं. दूसरा यहां जितने कंकाल थे, उनमें से कई के हिस्से लोग उठा ले गए हैं. पता चला कि ये सब कंकाल एक समय के नहीं हैं. अलग–अलग टाइम पीरियड के हैं. अलग–अलग नस्लों के हैं. इनमें महिलाओं और पुरुषों दोनों के कंकाल पाए गए. अधिकतर जो कंकाल मिले, उन पर की गई रीसर्च से पता चला कि जिन व्यक्तियों के ये कंकाल थे, वे अधिकतर स्वस्थ ही रहे होंगे. यह भी जांचा गया कि इन कंकालों में आपस में कोई सम्बन्ध तो नहीं था. क्योंकि पहले साइंटिस्ट्स ने इनमें से एक समूह को एक परिवार का माना था. रीसर्च में मिले डेटा से ये बात साफ हुई कि ये लोग परिवारों का हिस्सा नहीं रहे होंगे. क्योंकि इनके डीएनए के बीच कोई भी समानता

वाला कारक नहीं मिला. जांच में इन कंकालों में कोई बैक्टीरिया या बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओं के अवशेष नहीं मिले. इसका मतलब ये कि चांसेज काफी हैं कि इनकी मौत की महामारी की वजह से भी नहीं हुई थी. हालांकि इसको लेकर ध्यान रखने वाली एक बात है. इतने समय बाद अगर किसी बीमारी फैलाने वाले कीटाणु या विषाणु के अवशेष नहीं मिले, तो इसका मतलब ये भी हो सकता है कि उनकी मौजूदगी बहुत कम मात्रा में रही हो. और अब ट्रेस न हो रही हो.इनमें से अधिकतर भारत और उसके आस–पास के देशों के कंकाल हैं. इन्हें साउथ ईस्ट एशिया के समूह में रखा गया. कुछ इनमें से ग्रीस के इलाके की तरफ के पाए गए. एक कंकाल चीन की तरफ के इलाके का भी बताया जा रहा है. ये सभी कंकाल एक साथ एक समय पर वहां इकठ्ठा नहीं हुए. जो भारत और आस–पास के इलाकों वाले कंकाल हैं, वो सातवीं से दसवीं शताब्दी के बीच वहां पहुंचे थे, और जो ग्रीस और

आस–पास के इलाके वाले कंकाल हैं, वो सत्रहवीं से बीसवीं शताब्दी के बीच वहां पहुंचे. जो कंकाल चीन के आस–पास का बताया गया, वो भी बाद के ही समय में वहां पहुंचा था. इससे ये पता चलता है कि वहां मिले कंकाल दो अलग अलग हादसों में मरने वाले लोगों के हैं. वो हादसे क्या थे, जिनमें ये लोग मरे, उसे लेकर अभी भी एकमत होकर कुछ कहा नहीं जा सकता. कुछ कंकालों की हड्डियों में ऐसे फ्रैक्चर पाए गए जो गिरने–पड़ने, चोट खाने से लगते हैं. इससे अंदाजा ये भी लगाया गया कि शायद ये लोग किसी तूफान में फंसे थे. भयंकर अंधड़ में. ओले भी गिरे होंगे इसमें. लेकिन वो भी एक थ्योरी ही है. रूपकुंड के कंकालों को लेकर जो कहानियां चली हैं, वो दंतकथाओं में शामिल हो चुकी हैं. लोककथाओं का हिस्सा बन चुकी हैं. इन कंकालों पर की गई स्टडी चाहे जो कुछ भी बताती हो, रूपकुंड का 'कंकालों वाली झील' नाम आने वाले काफी समय तक उसके साथ बना रहेगा.

पुलिस अधिकारी बन महिलाओं को ब्लैकमेल करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। खुद को पुलिस अधिकारी बातकर प्रदेश के कई जिलों की महिलाओं व युवतियों को ब्लैक मेल करने वाले दो शातिर अपराधियों को वीमेन पावर लाइन ने विशेष अभियान चलाकर प्रतापगढ़ से गिरफ्तार किया। यह लोग पहले उन्हें पुलिस में उनकी शिकायत होने के नाम पर डरवाते थे। फिर उनकी फोटो मंगवाकर अश्लील बनाकर ब्लैकमेल कर रहे थे। इनके खिलाफ प्रदेश भर से ३७ शिकायतें १०६० पर दर्ज हुई थीं।पुलिस अधिक्षक वीमेन पावर लाइन–१०६० रवि शंकर छवि के मुताबिक, सोमवार को प्रतापगढ़ देवगलपुर चकवड़ के रोहित शुक्ल और उसके साथी अश्वंश को पकड़ा गया। इनके खिलाफ १०६० में ३७ शिकायतें दर्ज हैं। यह लोग फर्जी आईडी से सिम लिए थे। यह लोग महिलाओं व युवतियों को फोन कर अपने जाल में फंसा कर उनकी फोटो व निजी जानकारी जुटाते थे। फिर अश्लील मैसेज व फोटो भेजकर ब्लैक मेल करते थे। महिलाओं से लिया गया पैसा अश्वंश ही अपने गूगल पे एकाउन्ट में मंगाकर रोहित को देता था। दोनों ने लखनऊ, हरदोई, चन्दौली, सुलतानपुर, सन्तकबीरनगर, प्रयागराज, वाराणसी, जालौन, गोरखपुर, बहराइच, फर्रूखाबाद आदि जिलों की मिहलाओं को शिकार बनाया है।पुलिस घर में दबिश देकर पकड़ न ले इसके चलते शातिर रोहित घर पर न रहकर गांव के बाहर पेड़ पर मचान बनाकर सोता था। कक्षा नौ तक पढ़ा रोहित पुलिस की आहट मिलने या बारबार पुलिस के काउंसलिंग के लिए उन आने पर नंबर बदल लेता था। उसके पास से पांच फर्जी आईडी पर सिम मिले।

आरोपित पुलिसकर्मियों पर नहीं हुई कोई कार्रवाई

लखनऊ। राजधानी स्थित गोमतीनगर विस्तार थाने के लकअप में ई–रिक्शा चालक उमेश का शव फांसी पर लटका मिलने के दस दिन बाद भी आरोपित पुलिसकर्मियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इस मामले में लीपापोती हो रही है। युवक की बर्बरता से पिटाई और हत्या के मामले में पूर्व डीआइजी के नौकर राजकुमार तो गिरफ्तार हो गया, लेकिन आरोपित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई कब होगी, फिलहाल इसपर सभी अधिकारी चुप्पी साधे हैं। अभी राजकुमार के फरार साथी की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उसने राजकुमार के साथ मिलकर युवक की पिटाई की थी। उधर, गोमतीनगर विस्तार थाने के इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार पांडेय ने बताया कि पूर्व डीआइजी उदय शंकर जायसवाल द्वारा उमेश को थाने में पीटने के सुबूत नहीं मिले हैं। इसीलिए उनसे कोई पूछताछ भी नहीं की गई है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल इस हत्या के मुकदमे में एसटीएससी की धारा बढ़ाने के बाद पूरे मामले की विवेचना सीओ कैंट डॉ.बीनू सिंह को सौंपी गई है। अभी इन पांच पुलिसकर्मियों पर निलंबन के बाद नहीं हुई आगे की कार्रवाई...पूर्व डीआइजी के नौकर की गिरफ्तारी तो हो गई, लेकिन थाने के लॉकअप में युवक की मौत के बावजूद निलंबित पांच पुलिसकर्मियों में से एक की भी अभी गिरफ्तारी नहीं हुई। जबकि उनका भी अपराध पूर्व डीआइजी के नौकर से कम नहीं है। गोमतीनगर विस्तार के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक बृजेश यादव, उपनिरीक्षक कौशलेंद्र सिंह, सिपाही राज, दीपक खटाना व राधा मोहन सिंह को घटना के बाद निलंबित कर दिया गया था। मूलरूप से सीतापुर के महोली के मुरनिया गांव निवासी उमेश है। पूर्व डीआइजी उदयशंकर जायसवाल उमेश पर घर में चोरी का आरोप लगाकर उसे शुक्रवार सुबह ६.३० बजे ही थाने लाये थे। उसकी पिटाई भी की गई थी। उधर थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों का कहना था कि चोरी में पकड़े जाने पर उमेश ने अपना सिर वहीं दीवार में लड़ा दिया था, जिससे उसे चोटें आईं। ८.३० बजे उसका शव थाने के लॉकअप में ही फांसी लटका मिला था। उमेश के भाई गुड्डू गौतम ने गोमतीनगर विस्तार थाने में पूर्व डीआइजी उदयशंकर जायसवाल के नौकर राजकुमार उसके साथी व घटना में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी।

राज्य विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों में चार अगस्त से शुरू होंगी ऑनलाइन कक्षाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में स्नातक व परास्नातक के द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों की ऑनलाइन कक्षाएं चार अगस्त से शुरू होंगी। सीनियर स्टूडेंट की ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करवाने के लिए सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति सोमवार से लेकर ३१ जुलाई तक विभागाध्यक्ष, डीन व शिक्षकों को परिसर बुलाकर ई–कंटेंट, वीडियो लेक्चर तैयार करवाएंगे और उसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड करवाएंगे। वहीं तीन अगस्त तक सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उनसे पढ़ाई को लेकर फीडबैक लिया जाएगा। इस बार दाखिले की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन ही होगी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया १५ सितंबर तक पूरी होगी और एक अक्टूबर से पढ़ाई शुरू होगी। इसी तरह परास्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले की प्रक्रिया ३१ अक्टूबर तक पूरी होगी और पढ़ाई एक नवंबर से शुरू होगी।उच्च शिक्षा विभाग ने नए सत्र २०२१–२१ का शैक्षिक कैलेंडर घोषित कर दिया है। अभी कोरोना आपदा के कारण कक्षाएं ऑनलाइन ही चलेंगी। आगे अगर स्थिति बेहतर हुई तो एक अक्टूबर से परिसर में पूर्व की भांति कक्षाएं चलाई जाएंगी। पाठ्यक्रम के सापेक्ष अभी शुरूआत में कम से कम प्रथम ४५ दिनों तक सिर्फ ऑनलाइन पढ़ाई होगी। ऑनलाइन कक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय व कॉलेजों में स्मार्ट क्लासेज व ऑनलाइन मीटिंग साफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। प्रैक्टिकल विषयों के विद्यार्थियों को सिमुलेशन साफ्टवेयर व वर्चुअल लैब की मदद से प्रैक्टिकल करवाया जाएगा। स्थितियां ठीक होने पर जब विद्यार्थियों को परिसर में बुलाया जाएगा तो प्रत्येक वर्ष के विद्यार्थियों के तीन से चार समूह अलग–अलग विषयों के अनुसार एक सप्ताह तक आएंगे। इसके बाद दूसरे समूह के विद्यार्थियों को बुलाया जाएगा।वहीं, ऐसे प्रैक्टिकल जिनमें बिना प्रयोगशाला आए प्रयोग करना संभव नहीं है, उसके लिए विद्यार्थियों के समूह बनाकर उन्हें सप्ताह भर में यह प्रयोग करवाए जाएंगे। मिड टर्म व बैक पेपर की परीक्षाएं पांच दिसंबर २०२० तक पूरी होंगी। परास्नातक प्रथम वर्ष की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं १५ मार्च, २०२१ तक संपन्न होंगी। ऐसे संस्थान जहां सेमेस्टर प्रणाली की जगह वार्षिक परीक्षा प्रणाली लागू है वहां परास्नातक प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षाएं एक मई से १५ जून तक होंगी। इसी तरह सम सेमेस्टर के लिए मिड टर्म परीक्षाएं ३० अप्रैल तक संपन्न होंगी। परास्नातक की सम सेमेस्टर की परीक्षाएं ३० जून तक होंगी। वहीं वार्षिक परीक्षाओं का परिणाम १५ जून तक घोषित कर दिया जाएगा।उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वह कोरोना आपदा से सबक लेकर ऐसी पद्धति विकसित करें कि परीक्षाएं न हो पाने की स्थिति में विद्यार्थियों को पास कर अगली कक्षा में भेजा जा सके। इसके लिए अब साल भर सत मूल्यांकन होगा। मिड टर्म, सेशनल परीक्षा, ट्यूटोरियल, आइसनमेंट, प्रोजेक्ट के सापेक्ष विषयवार अंकों का ऐसा विभाजन हो कि पूर्णांक के सापेक्ष इनके अंक ५० प्रतिशत तक हों। मिड टर्म, सेशनल परीक्षा व ट्यूटोरियल इत्यादि में मिले कुल अंक का २५ फीसद से लेकर ५० फीसद तक अंक उस प्रश्नपत्र की वार्षिक व सेमेसटर परीक्षा में जोड़कर परिणाम तैयार किया जाए। अगर किन्हीं कारणों से परीक्षाएं न हो पाएं तो विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम इन्हीं अंकों के आधार पर तैयार कर दिया जाएगा।

विकास दुबे के एनकाउंटर में घायल सिपाही कोरोना संक्रमित

कानपुर। जिले में कोरोना वायरस आक्रामक होता जा रहा है। विकास दुबे के एनकाउंटर में घायल सिपाही के कोरोना संक्रमित और दारोगा के संदिग्ध पाए जाने के बाद पुलिस–प्रशासन अफसरों और मीडिया कर्मियों में खलबली मच गई है। पिछले दो दिनों में संक्रमित सिपाही से मिलने वालों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। उससे मिलने वालों में भी संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। शनिवार को कोरोना की चपेट में आए तीन बुजुर्गों समेत चार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालों में गड़रिया मोहाल के ६६ वर्षीय, कुरसवां के ६५ वर्षीय, जाजमऊ के ६० वर्षीय बुजुर्ग और किदवई नगर के ५५ वर्षीय व्यक्ति हैं। इनमें से तीन की मौत हैलट में हुई है, जबकि एक उर्सला अस्पताल में भर्ती थे।शनिवार को ७४ नए पॉजिटिव मिले हैं, जिसमें मेडिकल कॉलेज की लैब से २० और प्राइवेट लैब से ५४ हैं। उधर, शहर के पांच कोविड अस्पतालों से २७ मरीज स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिए गए। उन्हें डॉक्टर व कर्मचारियों ने तालियां बजाकर विदा किया। उधर, सीएमओ ने जिले के आंकड़े से बाहरी जिलों के तीन संक्रमितों को हटा दिया है। अब जिले में कोरोना पॉजिटिव १७१० हैं। उसमें ८८ की मौत हो चुकी है, जबकि १०७८ स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। एक्टिव केस ५४४ हो गए हैं। सीएमओ डॉ. अशोक शुक्ला ने तीनों मौत की पुष्टि की है। एडीजी जय नारायण सिंह, आईजी मोहित अग्रवाल, डीएम ड. ब्रह्मदेव राम तिवारी और एसएसपी दिनेश कुमार पी के अलावा बड़ी संख्या में अफसर अस्पताल में उनसे मिले थे। पिछले दो दिनों से वार्ड में पुलिस वालों का आना जाना लगा है, जहां यह सिपाही भर्ती है। एक अनुमान के मुताबिक सिपाही से पिछले दो दिनों में लगभग १००० लोगों ने संपर्क किया है, ऐसे में संक्रमण की चयन खंगाला पुलिस के लिए टेढ़ी खीर होगी।उज्जैन में गिरफ्तारी के बाद मोस्टवांटेड विकास दुबे को कानपुर लाते समय गाड़ी पलटने से चार और मुठभेड़ में दो पुलिस कर्मी घायल हुए थे। हादसे में घायल चारों पुलिसकर्मियों को हैलट में भर्ती कराया गया है। इसमें से एक सिपाही में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है और एक दारोगा कोराना संदिग्ध है। घटना के बाद बड़ी संख्या में मीडिया के लोग घायल पुलिस कर्मियों का बयानों के लिए मिले थे। बजरिया, सीसामऊ, स्वरूप नगर, किदवई नगर, आरके नगर, कुरसवां, शास्त्री नगर, गोड्क्षवद नगर, लाजपत नगर, आनंदबाग, धरी पुरवा, बारादेवी, घुमनी बाजार, मसवानपुर, दादा नगर, दबौली, हरबंस मोहाल, लालबंगला, केशव नगर, सिविल लाइंस, सदानंदनगर, कछियाना, विजय नगर, बर्रा–७, बर्रा–८, श्याम नगर, नारियल बाजार, गंगागंज पनकी, आचार्य नगर, कैंट, माल रोड, नवाबगंज, हंसपुरम, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज परिसर, गीता नगर और महाराजपुर। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को पूल, क्वारंटाइन सेंटर और कोविड हस्पिटल से सैंपलिंग ही नहीं कराई। शनिवार को मेडिकल कॉलेज की कोविड–१९ लैब में ५१८ सैंपल भेजे गए, जिसमें हॉट स्पॉट क्षेत्रों से २१ रैंडम सैंपल, सघ्वलांस टीम ने २६४ और शासन के निर्देश पर १०१ और हैलट से १०२ सैंपल भेजे गए हैं।

बिकरू गांव पहुंचे जस्टिस शशिकांत अग्रवाल, गांव वालों से ली जानकारी

कानपुर। राज्य सरकार द्वारा गठित जांच आयोग के सदस्य जस्टिस शशिकांत अग्रवाल ने सोमवार की दोपहर बिकरू गांव पहुंच गए हैं, यहां पर वह घटनास्थल का मुआयना करने के साथ ही ग्रामीणों से बातचीत कर

रहे हैं। वह गांव वालों से घटना की हकीकत जानने का प्रयास कर रहे हैं। गांव में पहले से ही फोर्स तैनात है, वहीं प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी उनके साथ गांव पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि इसके बाद वह विकास दुबे के एनकाउंटर वाले स्थल पर भी जा सकते हैं।करीब साढ़े बारह बजे बिकरू गांव पहुंचे जस्टिस शशिकांत अग्रवाल ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद विकास दुबे के घर के पास ही उन्होंने जिलाधिकारी डॉ ब्रह्मदेव तिवारी और एसएसपी दिनेश कुमार पी से करीब २५ मिनट तक घटनाक्रम और विकास का घर गिराए जाने के संबंध में प्रश्न किए। उन्होंने दिनेश दुबे के बेटे मनोज दुबे समेत छह लोगों से शिकायतों को सुना और ग्रामीणों से पूछताछ की। करीब एक घंटे तक जांच और पूछताछ करने के बाद वह १ : ३० बजे गांव से रवाना हो गए। बिकरू कांड के बाद मोस्टवांटेड विकास दुबे एनकाउंटर को लेकर विपक्षी दलों द्वारा तरह–तरह के सवाल उठाने और उसकी मौत से कई रहस्यों के दबाए जाने के आरोप लग रहे हैं। इन सबके बीच राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से जांच आयोग अधिनियम १६५२ (अधिनियम संख्या ६० सन १६५२) की धारा ३ के तहत सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति शशिकांत अग्रवाल के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित करने का निर्णय लिया गया, इसका मुख्यालय कानपुर में होगा। सभी तथ्यों की जांच करने के साथ ही आयोग भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अपने सुझाव भी देगा। दो माह की अवधि में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

बिकरू के बाद एसआइटी ने शिवली थाने में देखीं मुकदमों की फाइलें, पीड़ित पक्ष से की पूछताछ

कानपुर। बिकरू कांड को लेकर शासन से गठित एसआइटी के अधिकारी रविवार पूर्वाह्न बारिश के बीच गांव पहुंच गए और छानबीन की। यहां से एसआइटी अब शिवली थाने पहुंच गई है, जहां पर विकास के खिलाफ दर्ज हुए पूर्व राज्यमंत्री की हत्या समेत अन्य मुकदमों के बारे में पड़ताल कर रही है। बिकरू गांव में विकास दुबे का घर का मुआयना करने के बाद अफसरों ने गांव वालों से अलग अलग पूछताछ की। आईपीएस जे रविंद्र ने घटना से जुड़े हर बिंदु की गहन पड़ताल करने के साथ ही सीओ के मारे जाने वाले स्थल और पांच सिपाही के मारे जाने वाली जगह का बारीकी से निरीक्षण किया। बिकरू गांव में सघन पड़ताल के बाद एसआइटी को लीड कर रहे अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी ने कानपुर देहात के शिवली थाने पहुंची। उन्होंने शिवली थाने में भाजपा के पूर्व राज्यमंत्री संतोष शुक्ला हत्याकांड समेत विकास के खिलाफ दर्ज मुकदमों की फाइलों की जांच की। इसके साथ ही सिद्धश्वर पांडेय हत्याकांड में गवाह रहे व्यक्ति से पूछताछ की। इसके बाद बमबाजी कांड में पीड़ित पक्ष लल्लन बाजपेयी से जानकारी ली और उनसे पूर्व मंत्री के हत्याकांड के बारे में भी पूछा। दोपहर करीब पौने दो बजे टीम वापस बिकरू के लिए रवाना हो गई।एसआइटी में शामिल आईपीएस हरिराम शर्मा के साथ डीएम ड. ब्रह्मदेव तिवारी और एसएसपी दिनेश कुमार पी ने भी करीब एक घंटे तक गांव में घूमकर पड़ताल और लोगों से बातचीत की है। एसआईटी टीम थाने के निलंबित दरोगा और सिपाही से भी पूछताछ करेगी। माना यह भी जा रहा है कि एसआइटी घटना के दूसरे दिन दो अभियुक्तों के एनकाउंटर वाले स्थल पर भी जाकर जांच कर सकती है। शासन द्वारा कानपुर कांड की जांच के लिए गठित एसआइटी (विशेष जांच दल) की अध्यक्षता कर रहे अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी और टीम के सदस्य एडीजी हरिराम शर्मा व डीआइजी जे रवींद्र गौड को ३१ जुलाई तक रिपोर्ट देनी है। घटना से जुड़े कई बिंदुओं पर एसआइटी सिलसिलेवार पड़ताल करने के लिए सबसे पहले बिकरू गांव आई है।एसआइटी

तबलीगी जमात मामले में सुनवाई २४ जुलाई तक टली

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजधानी दिल्ली में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले विदेशी जमातियों को काली सूची में डाले जाने केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई २४ जुलाई तक के लिए आज टाल दी। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर सुनवाई अगले सप्ताह तक टालने का निर्णय लिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने हालांकि इस पर कोई आपत्ति नहीं की। उन्होंने केवल इतना कहा कि इस मामले में एक नजदीकी तारीख दी जा सकती है। इसके बाद खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए २४ जुलाई की तारीख मुकर्रर कर दी। गत दो जून को हुई सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था

कि वह विदेशी जमातियों को स्वदेश भेजने के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी, बल्कि केवल काली सूची में डाले जाने के मुद्दे पर ही सुनवाई करेगी। केंद्र सरकार ने भी न्यायालय को बताया था कि विदेशी जमातियों की स्वदेश वापसी तब तक नहीं हो सकेगी, जब तक उनके खिलाफ भारत के किसी भी राज्य में दर्ज आपराधिक मुकदमों की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। गौरतलब है कि कोरोना को लेकर केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों और राज्य सरकारों एवं पुलिस के आदेश का उल्लंघन करने पर हजारों जमातियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज किये गये थे जिनकी सुनवाई अदालतों में लंबित है। केन्द्र सरकार ने हजारों जमातियों को ब्लैकलिस्ट करके उनके वीजा रद्द कर दिए थे, जिनमें से ३४ विदेशी जमातियों ने सरकार के इस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दायर की हैं।

मोदी ने प्रौद्योगिकी को लेकर सुंदर पिचाई से की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की महारथी एल्फाबेट इंक एवं

गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई से भारत में किसानों और युवाओं तथा उद्यमियों के जीवन में बदलाव के परिप्रेक्ष्य में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लेकर बातचीत की। मोदी ने पिचाई के साथ आज सुबह हुई बातचीत की जानकारी ट्विटर पर दी। मोदी ने लिखा, आज सुबह सुंदर पिचाई के साथ बेहद सार्थक वार्तालाप हुआ। हमने विभिन्न संदर्भों, विशेषकर किसानों, युवाओं और उद्यमियों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कैसे हो, इस पर बातचीत की।

यूपी में दो दिन लॉकडाउन रहेगा

लखनऊ। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने टेस्टिंग बढ़ाने का फैसला किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने यह भी तय किया है कि हर हफ्ते दो दिन पूरी तरह से लकडाउन होगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के मसले पर एक अहम बैठक की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के सभी राज्य दिल्ली की तर्ज पर कोरोना से लड़ने की रणनीति बनाएं। इसके अगले ही दिन उत्तर प्रदेश सरकार ने टेस्टिंग बढ़ाने का ऐलान किया। राज्य सरकार ने कहा है कि अब हर दिन ५० हजार लोगों की टेस्टिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही

सप्ताहांत में दो दिन यानी शनिवार और रविवार को पूरी तरह से लॉकडाउन लागू रहेगा। इस दौरान सारे बाजार, कार्यालय, संस्थान बंद रहेंगे। लोगों को घरों से निकलने की अनुमति नहीं होगी। जरूरी सामानों की आपूर्ति होगी। देश के कई और राज्यों में इस तरह के मिनी लॉकडाउन लागू किए गए हैं। उधर, जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच स्थानीय प्रशासन ने नए दिशा–निर्देश जारी किए है। इसके मुताबिक अब श्रीनगर के सभी रेड जोन इलाकों को पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा। इन इलाकों में ज्यादा से ज्यादा लोगों की टेस्टिंग होगी और पूरे इलाके को सैनिटाइज किया जाएगा।

राहुल–प्रियंका ने कोविड की स्थिति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कोरोना की स्थिति को लेकर सवाल उठाये और पूछा कि क्या इस लड़ाई में हमारी स्थिति अच्छी है। गांधी ने भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड सहित कुछ देशों में कोरोना के मामलों को लेकर एक तुलनात्मक ग्राफ दिया है और भारत में कोरोना की स्थिति को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने कोविड संक्रमण में बढ़ोतरी का आंकड़ा देते हुए ट्वीट किया, ''कोविड–१६ के खिलाफ लड़ाई में भारत अच्छी स्थिति में है?' गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में आज सर्वाधिक २८,७०१ नए मामले सामने आने के साथ ही देश में संक्रमितों की कुल संख्या ८,७८,२५४ और इसके मृतकों की संख्या २३,१७४ हो गई है। वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में कोरोना की स्थिति को लकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा , उप्र में पिछले तीन दिन में

कोरोना के मामले १० जुलाई १३४७ ,११ जुलाई १४०३ ,१२ जुलाई १३८८। लॉकडाउन के वीकेंड 'बेबी पैक' का लॉजिक अब तक किसी को समझ नहीं आया। अपनी असफलता छुपाने के लिए खिलवाड़ जारी है। 'मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की'।

पायलट को शांत कराने प्रियंका गांधी ने किया हस्तक्षेप

नई दिल्ली। राजस्थान में राजनीतिक संकट सुलझाने और नाराज सचिन पायलट को शांत कराने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हस्तक्षेप किया है। प्रियंका के करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्होंने दो नेताओं से बात की है और ये नेता उनसे नियमित तौर पर बात करते हैं। लेकिन सूत्रों ने कहा कि वे इस बात की पुष्टि या खंडन नहीं कर सकते कि प्रियंका गांधी ने पायलट से बात की है। प्रियंका के हस्तक्षेप के बाद पायलट के पोस्टर पीसीसी पर फिर से चिपकाए गए और उनके कहने पर ही रणदीप सुरजेवाला ने जयपुर से पायलट

और उनके समर्थकों से वापस लौटने की जोरदार अपील की। कांग्रेस के राज्य प्रभारी अविनाश पांडे ने भी कहा कि वह बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन सुबह उन्होंने कहा था कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि के.सी. वेणुगोपाल को पायलट से बात करने की जिम्मेदारी दी गई है, क्योंकि वेणुगोपाल संगठन महासचिव हैं और संप्रग २ के दौरान पायलट के साथ केंद्रीय मंत्री रहे हैं। इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधायक दल की बैठक में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया, जहां लगभग १०५ विधायक उनके साथ दिखाई दिए।

१७ वर्षीय किशोरी की बांके से काटकर निर्मम हत्या

उन्नाव। माखी थानाक्षेत्र के गांव में रविवार सुबह खेत जा रही प्रधान की भतीजी को पहले से घात लगाए बैठे दो युवकों ने जबरदस्ती झाड़ियों में खींच लिया और विरोध करने पर बांका से काटकर निर्मम हत्या कर दी। सूचना पर गांव पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की है, प्रथम दृष्टया दुष्कर्म के प्रयास के विरोध पर हत्या की बात सामने आ रही है। घटना के बाद गांव में सनसनी का माहौल है और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। माखी के पवई गांव के मजरे में १७ वर्षीय किशोरी रविवार सुबह घर से शौच के लिए खेत जा रही थी। पुलिस के अनुसार रास्ते में दो युवक पहले से घात लगाए बैठे थे और आते ही उसे दबोचकर खेत में झाड़ियों की ओर खींचकर ले गए। जबरदस्ती पर किशोरी ने विरोध किया तो नाराज युवकों ने मारपीट के बाद बांके से वार कर दिया। सिर पर दो वार करने से किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों भाग निकले। ग्रामीणों ने किशोरी का शव पड़ा देखकर स्वजन और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है और किशोरी ग्राम प्रधान की भतीजी बताई जा रही है।

विकास की मां के बाद अब पिता की मौत की फैलाई गई अफवाह

लखनऊ। सोमवार देर शाम विकास दुबे के पिता राम कुमार दुबे की हृदय गति रुकने से मौत की बात अफवाह निकली। हालांकि आला अफसरों तक मामला पहुंचते ही सीओ बिल्हौर ने दामाद दिनेश तिवारी के घर पहुंचकर जानकारी ली। वहां राम कुमार के ठीक मिलने पर हालचाल लेकर लौट गए। इससे पहले विकास दुबे की मां की मौत की अफवाह सोशल मीडिया पर फैलाई गई थी। चौबेपुर क्षेत्र के बिकरू गांव में विकास दुबे का घर ध्वस्त करने के बाद से पुलिस ने उसके पिता राम कुमार दुबे को शिवली में दामाद दिनेश तिवारी के घर पर रखा है। सोमवार शाम अचानक सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ी कि राम कुमार की मौत हृदय गति रुकने से हो गई है। इस पर कानपुर पुलिस व प्रशासन हरकत में आया। सीओ बिल्हौर संतोष कुमार सिंह को कोतवाल वीर पाल तोमर के साथ शिवली स्थित दिनेश के घर भेजा गया। वहां राम कुमार आराम से चारपाई पर लेटे मिले। बातचीत में सीओ से उन्होंने अपने रसूलाबाद निवासी भाई बृज किशोर के यहां जाने की इच्छा जताई। सीओ स्वजन से उनका ख्याल रखने की बात कहकर चले गए। बता दें कि कानपुर का कुख्यात बदमाश और आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मुख्य आरोपी विकास दुबे को एक यूपी पुलिस की एसटीएफ ने एक मुठभेड़ में मार गिराया है। गैंगस्टर विकास दुबे एनकाउंटर के बाद उसके पिता राम कुमार दुबे ने इसको सही ठहराया था। विकास दुबे के पिता ने कहा था कि मेरे बेटे का एनकाउंटर कर पुलिस ने सही किया। जब विकास दुबे के मरने की खबर उसकी मां सरला देवी को पता चली, तो उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली और अपने आप को अपने घर में बंद कर लिया। यह भी कहा जा रहा है कि उनकी तबीयत भी बिगड़ गई है। सोशल मीडिया पर तो खबर फैल गई कि बेटे की मौत की खबर सुनकर मां की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। हालांकि इस बीच सरला देवी ने पुलिस से कहा कि बेटे विकास दुबे से उनका कुछ लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कानपुर नहीं जाना चाहती हैं। वह लखनऊ में हैं और वहीं रहना चाहती हैं।बता दें कि कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल विकास दुबे का १० जुलाई की सुबह पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। उसे उज्जैन से कोर्ट में पेशी के लिए लाते वक्त कानपुर शहर से पहले ही सचेंडी थाना क्षेत्र में बेसहारा जानवरों को बचाने के चक्कर में एसटीएफ की कार पलटी तो कुछ पल के लिए पुलिसकर्मी हल्की बेहोशी की हालत में आ गए। इस दौरान विकास दुबे ने एक इंस्पेक्टर की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश की तो पुलिस ने उसका पीछा किया। विकास के पुलिसकर्मियों पर गोली चलाने के जवाब में एसटीएफ और पुलिस टीम के सदस्यों ने उसे ढेर कर दिया। मुठभेड़ में एसटीएफ के दो जवान भी घायल हुए हैं। इस पांच लाख रुपये इनामी हिस्ट्रीशीटर को गुरुवार सुबह उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर से गिरफ्तार किया गया था।

राहुल ने उठाया चीन और कोरोना का मुद्दा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को एक बार फिर कोरोना वायरस और चीन की घुसपैठ का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन दोनों मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने सोमवार को बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए कहा कि वे सो रहे हैं और भारत इसकी कीमत चुका रहा है। ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट को शेयर करते हुए राहुल ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। खबरों में दावा किया गया था कि सीमा पर चीन ने जो कुछ भी किया, उसके लिए उसने पहले से ही योजना बना रखी थी। इस खबर को राहुल ने ट्विटर पर शेयर किया। गौरतलब है कि भारत–चीन के बीच करीब दो महीने तक तनाव रहा और

१५ जून को गलवान घाटी में दोनों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, जिसमें २० भारतीय जवान शहीद हो गए थे। मगर उसके बाद दोनों देशों में कई स्तर की वार्ता हुई है, जिसके बाद दोनों पक्ष तनाव घटाने वाले कदम उठा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या इस लड़ाई में हमारी स्थिति अच्छी है। उन्होंने भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड सहित कुछ देशों में कोरोना के मामलों को लेकर एक तुलनात्मक ग्राफ दिया है और भारत में कोरोना की स्थिति को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने कोविड संक्रमण में बढ़ोतरी का आंकड़ा देते हुए ट्वीट किया– क्या कोविड–१९ के खिलाफ लड़ाई में भारत अच्छी स्थिति में है?

रेरा ने कंछल ग्रुप को आवंटी को ब्याज सहित रुपया दिलाने का DM को किया आदेश

लखनऊ। कंछल ग्रुप पर लगाम कसते हुए रेरा ने आवंटी को उसका बकाया धन ब्याज सहित बिल्डर से वापस कराने का आदेश डीएम अभिषेक प्रकाश को दिया। ये आदेश रेरा की साइट पर अपलोड कर दिया गया है। रेरा का आदेश है कि आवंटी को न केवल उसका जमा धन साथ ही उस पर लगा ब्याज और अगर संपत्ति के विपरीत अगर आवंटी ने कोई होमलोन लिया हो तो उसका ब्याज भी कंछल ग्रुप को ही देना पड़ेगा। कंछल ग्रुप की योजना फ्लोरा काउंटी में करीब १५० आवंटियों का करोड़ों रुपए फंसा हुआ है। एक पीड़ित डॉ सलीम अखलाख ने बताया कि उनके अलावा एक अन्य आवंटी सविता जोशी भी अपनी लड़ाई रेरा में लड़ रही हैं। दोनों के जमा धन पर नोटिस पीरियड पूरा होने के बाद आरसी जारी की गई है। इन आवंटियों को कंछल ग्रुप से रुपया वापस मिलने की उम्मीद जगी है। सचिव अबरार अहमद की ओर से आरसी जारी की गई है। जिसमें आवंटियों को ब्याज सहित करीब १६ लाख रुपए वापस देने के लिए बिल्डर को आदेश दिया गया है। शुरुआत में बिल्डर ने करीब पौने दस लाख रुपए जमा किए थे। ब्याज बढ़ने पर ये राशि १६ लाख से अधिक हो चुकी है। इस संबंध में डीएम लखनऊ को बिल्डर से वसूली करवा कर आवंटियों को भुगतान दे दिया जाए ताकि वे नुकसान की भरपाई कर सकें। सचिव अबरार अहमद ने इस बात भी चिंता व्यक्त की है कि कंछल ग्रुप ने आज तक एक भी प्रोजेक्ट को रेरा में पंजीकृत नहीं करवाया है। आवंटियों के साथ खुली धोखाधड़ी की गई है। जिससे वे परेशान हैं।

ग्राम प्रधान ने वीडियो वायरल कर भाजपा विधायक पर लगाए आरोप

बिजनौर। गांव सुल्तानपुर खादर की ग्राम प्रधान पति द्वारा भाजपा विधायक कमलेश सैनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जा रहा है कि प्रधान पति ने पंचायत सचिव के तबादले के संबंध में खुद का उत्पीडन होने की बात कही है। उसने विधायक पर अन्य आरोप भी लगाए हैं। उधर, विधायक के रिश्तेदार ने प्रधानपति के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।गांव सुल्तानपुर खादर निवासी अनिल सैनी ग्राम प्रधान पति हैं। पिछले दिनों उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया जिसमें उसने खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताते हुए विधायक कमलेश सैनी पर उत्पीडन करने का आरोप लगाया। उसने यह वीडियो गांव के पंचायत सचिव के स्थानांतरण को लेकर बनाया। जिसमें उसने बताया कि विधायक व उनके पति द्वारा पंचायत सचिव का तबादला करा दिया गया। साथ ही अन्य आरोप भी लगाए। कहा कि सात जुलाई को वह विधायक आवास पर पहुंचा और पंचायत सचिव का तबादला रुकवाने की मांग की। उसके कई बार कहने के बाद भी विधायक ने उसकी नहीं सुनी। इसके बाद उसने खुद का वीडियो बनाई और वायरल कर दी। वीडियो में खुद का उत्पीडन होने और आत्महत्या करने की चेतावनी भी दी। वीडियो वायरल होने का पता विधायक को लगा। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी।पुलिस ने विधायक के रिश्तेदार राकेश कुमार की तहरीर पर अनिल कुमार के खिलाफ विधायक की छवि धूमिल करने, सामाजिक व मानसिक ठेस पहुंचाने और आत्महत्या की चेतावनी देने के नाम पर ब्लैकमेल करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।विधायक कमलेश सैनी ने बताया कि पहली बात तो यह है कि अनिल भाजपा का कार्यकर्ता नहीं है। वहीं, पंचायत सचिव के तबादले से उनका कोई लेना–देना नहीं है। अनिल ने उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया है। वह उनके घर आया था और सचिव के तबादले के लिए दबाव बनाया। वह शातिर व अपराधी किस्म का व्यक्ति है। वह उन्हें ब्लैकमेल करने का प्रयास कर रहा है, जिसके चलते उसके खिलाफ कार्रवाई कराई गई है।

वर्षों से अधर में लटकी स्वच्छ पेयजल योजना की होगी जांच

लखीमपुर खीरी। सरकार की स्वच्छ पेयजल सप्लाई योजनाओं में व्याप्त भ्रस्टाचार के कारण वर्षों से अधर में लटकी योजनाओं की जांच जिला विकास अधिकारी रामेंपाल चौधरी करेंगे। यूं तो वर्षों पुरानी योजनाओं से आज तक ग्रामीणों को स्वक्ष जल नहीं मिल पाया है। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद सिंह की मानें तो उक्त योजना का लाभ वर्षों पहले ग्रामीणों को मिल जाना चाहिए था। परन्तु योजना में लगे ठेकेदारों की सांठ गांठ के कारण योजना का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच सका है। बताते हैं पूरी योजनाओं की जांच १४ जुलाई से जिला विकास अधिकारी करेंगे। यह सभी परियोजनायें एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत की हैं। इस सम्बंध में अधि अभियंता जल निगम आरबी श्रीवास्तव ने मुख्य विकास अधिकारी को ईशानगर ब्लाक, रमिया बेहड व धौरहरा की पेयजल परियोजनाओं को हस्तान्तरित करने का प्रस्ताव दिया था। जिस पर जिले में ग्रामीण पाईप पेयजल योजना के अन्तर्गत बिछाई गयी पाईप लाईने व ओवरहेड टैंको की जांच के आदेश भी दिये हैं ? क्योंकि वर्षों पुरानी उक्त योजनाओं द्वारा विछाये गये पाईप प्रयोग से पहले ही गल गये हैं और उनमें सुराग भी हो गये है। कारण वश अभी तक ग्रामीणों को स्वच्छ जल नहीं मिल सका है।

लव जिहाद में लड़की ने की खुदकुशी

पीड़ित परिवार को नहीं मिला न्याय तो कई हिंदू संगठन उतरेंगे सड़कों पर

के० के० शुक्ला

लखीमपुर खीरी। थाना गोला गोकर्णनाथ की चौकी नानक के अंतर्गत मोहल्ला ऊंची भूड़ में मुस्लिम युवक से प्रेम की शिकार एक युवती ने परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के अनुसार युवती को शादी का झांसा देकर मुस्लिम लड़का लगभग पांच वर्षो से शारीरिक शोषण करता रहा तथा पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर पूर्व में अपराधी को जेल भेज दिया था। आपको बताते चलें कि प्रदेश की सरकार द्वारा लगातार महिलाओं व युवतियों की सुरक्षा हेतु नियम पारित कर रहे परंतु दूसरी तरफ महिलाओं और युवतियों के साथ लगातार शारीरिक शोषण की घटनाये सामने आ रही जब पीड़िता न्याय के लिये थाने में जाकर प्रार्थना पत्र दिया तो उसका अभियोग पंजीकृत नहीं किया गया येसा ही मामला थाना गोला गोकर्ण नाथ की चौकी नानक के अंतर्गत मोहल्ला ऊंची भूड निवासी मिंटू उर्फ रशीद अली पुत्र इम्तियाज अली ने शादी का झांसा देकर लगभग ५ वर्षों से युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा इसी दौरान युवती ५ माह पूर्व गर्भवती हो गयी तब मिंटू उर्फ राशिद अली ने युवती का जबरन गोला के एक प्राइवेट अस्पताल में गर्भपात कराया जब युवती शादी करने के लिये कहती तो मिंटू उर्फ राशिद अली किसी न किसी बात का बहाना बताकर शादी की बात को टाल देता युवती ने १५ दिन पूर्व मिंटू उर्फ राशिद अली से शादी के लिये कहा तो युवती को जातिसूचक भद्दी–भद्दी गालियां दी जब गोला थाने में अभियोग पंजीकृत नहीं किया जा

रहा था तब जिले से हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी विपिन मिश्रा व गोला नगर के समस्त हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने थाने में जाकर कहा कि येसा जघन्य अपराध हिदू युवती के साथ बर्दाश्त नहीं किया जायेगा क्योंकि यह मामला लव जिहाद का है जबकि मिंटू उर्फ राशिद अली पहले से ही शादीशुदा था फिर भी युवती को गुमराह करके शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा पुलिस ने युवती के प्रार्थना पत्र अभियोग पंजीकृत कर अपराधी मिंटू उर्फ रसीद अली को जेल भेज दिया था परंतु अपराधी के परिवार द्वारा लगातार युवती को जान से मारने की धमकियां दी जा रही थी उनका कहना था कि समझौता कर लीजिये नहीं तो तुम्हारे परिवार को घर से बेघर कर देंगे युवती को यह पीड़ा बर्दाश्त नहीं हुई और उसने एक सुसाइड नोट लिख कर दिनांक १२–७–२०२० को कमरे के अंदर अपने दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली मृतका के परिजनों का कहना है कि इन लोगों के राजनेताओं से अच्छी सांठगांठ और यह मोहल्ला ऊंची भूड के सभासद है मृतक युवती की तलाशी करने पर सुसाइड नोट निकला परंतु वह सुसाइड नोट पुलिस ने अपने पास रख लिया और जब मीडिया ने सुसाइड नोट के विषय में पूछा तो पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला रविंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि उस सुसाइड नोट में धमकी देने वाले अपराधी के परिवार के सदस्यों के नाम अंकित हैं तथा सुसाइड नोट के अनुसार अपराधियों के ऊपर अभियोग पंजीत कर लिया गया है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला मुख्यालय भेजा गया और अपराधियों को पकड़ कर न्यायालय के समझ भेज दिया गया है।

विकास दुबे के भाई दीप प्रकाश का पुलिस नहीं लगा सकी अभी तक कोई सुराग

लखनऊ। कानपुर कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे के भाई दीप प्रकाश का पुलिस अभी तक कोई सुराग नहीं लगा सकी है। सोमवार को दीप प्रकाश के न्यायालय में आत्मसमर्पण की तैयारी की सूचना पाकर पुलिस की टीमें अलर्ट हो गईं। पुलिस ने संभावित स्थानों पर दबिश दी और कोर्ट के बाहर भी मुस्तैद रही। हालांकि दीप प्रकाश का कोई सुराग नहीं मिला। दीप प्रकाश के घरवालों का कहना है कि तीन जुलाई से वह फरार है। तब से उसने परिवार के लोगों से भी संपर्क नहीं किया है। पुलिस का कहना है कि दीप प्रकाश का मोबाइल फोन लगातार बन्द जा रहा है। दीप प्रकाश ने अभी तक पत्नी अंजली व परिवार के अन्य सदस्यों से संपर्क नहीं किया है। सर्विलांस के जरिए आरोपित के बारे में पता लगाया जा रहा है। दीप प्रकाश के खिलाफ जालसाजी व अन्य धाराओं में कृष्णानगर थाने में एफआइआर दर्ज है। एसीपी कृष्णानगर दीपक कुमार सिंह के मुताबिक आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद उससे फर्जीवाड़े के बारे में जानकारी की जाएगी। इसके साथ ही विकास से जुड़े मामले में दीप प्रकाश की क्या भूमिका है, इसकी जानकारी भी जुटाई जाएगी। अगर दीप प्रकाश की संलिप्तता प्रकाश में आती है तो उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई कानपुर पुलिस और एसटीएफ की टीमें करेंगी। गौरतलब है कि दो जुलाई की रात में कानपुर में दबिश देने गई पुलिस टीम पर विकास दुबे और उसके साथियों ने हमला बोल दिया था। गोलीबारी में सीओ समेत पुलिस के आठ जवान शहीद हो गए थे। विकास को उज्जैन से गिरफ्तार किया गया था। ट्रांजिट रिमांड पर लाते समय कानपुर में वाहन दुर्घटना ग्रस्त हो गया था और विकास ने भागने की कोशिश की थी। इस दौरान हुई मुठभेड़ में विकास दुबे मारा गया था।

दिव्यांशी इंडिया टॉपर, इंटर में हासिल किए शत-प्रतिशत अंक

लखनऊ। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) में शहर की दिव्यांशी जैन का शत–प्रतिशत

प्रदर्शन रहा। दिव्यांशी जैन ने १०० प्रतिशत अंक हासिल किए। दिव्यांशी के शोध के क्षेत्र में जाना चाहती हैं। इसी तरह शहर के रानी लक्ष्मी बाई स्कूल (आरएलबी) इंदिरा नगर की श्रेया श्रीवास्तव व यश राज सिंह राठौर ने ९७.८ प्रतिशत अंक हासिल कर शहर का मान बढ़ाया। आरएलबी की ही आस्था त्रिपाठी और समीर ने ९७.४ प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। शहर के गणेशगंज निवासी स्टेशनरी व्यापारी राजेश प्रकाश जैन के बेटी ने सीबीएसई की बारहवीं में शत–प्रतिशत अंक हासिल किए। दिव्यांशी ने बिना कोचिंग के मदद लिए यह सफलता हासिल की। दिव्यांशी कहती हैं कि कड़ी मेहनत निश्चित तौर पर अपना रंग लाती है। दिव्यांशी बताती हैं कि सफलता के लिए लगन और आत्मविश्वास बेहद जरूरी है। दिव्यांशी शोध के क्षेत्र में जाना चाहती हैं। वह रोजाना तीन से चार घंटे ही पढ़ाई करती हैं। उनका कहना है कि पढ़ाई का उतना ही लाभ है, जितना समझ आए। उसकी मां सीमा जैन गृहणी हैं। दिव्यांशी ने हाईस्कूल में ९८: अंक हासिल किए थे।

अक्षरा सिंह ने पेश किया कांवड़ गीत 'कैलाशी

पटना/मुंबई। सावन की दूसरी सोमवरी को भोजपुरी अभिनेत्री व गायिका अक्षरा सिंह ने शिव भक्तों को एक विशेष तोहफा दिया। अक्षरा ने इस सावन पहला कांवड़ गीत 'कैलाशी' के रूप में बाबा भोले नाथ की महिमा का बखान किया है, जो रिलीज के साथ वायरल हो गया है। इससे पहले अक्षरा के गाने 'इधर आने का नहीं' को भी लोगों ने पसंद किया था। अक्षरा का भोजपुरी कांवड़ गीत 'कैलाशी' उनके अपने यूट्यूब अक्षरा सिंह आफिसियल पर रिलीज हुआ है। इस गीत के गीतकार मनोज मतलबी हैं। संगीत अविनाश झा घुंघुरू ने दिया है। अक्षरा ने अपने इस गाने को लेकर कहा,

यह गाना भोले नाथ के कैलाश से देव नगरी बाबा धाम आने पर है। हर साल बाबा साल में एक बार कैलाश और काशी छोड़ कर अपने भक्तों के लिए सावन महीने में देवघर आते हैं। इस क्रम में लोगों की आस्था बाबा के लिए खूब दिखती है। इसलिए मैंने हर साल की तरह इस साल भी बाबा और उनके भक्तों के लिए ये गाना गाया। मैं खुद भी बाबा की बहुत बड़ी भक्त हूं। अक्षरा ने कोरोना संकट में बाबा धाम में पूजा से वंचित रहने वाले करोड़ों श्रद्घालुओं के लिए दुख भी जताया। उन्होंने हलांकि कहा कि बाबा भोलेनाथ ने जब लोगों की रक्षा के लिए विषपान तक कर लिया था, तो कोरोना का भी वो कोई ना कोई हल जरूर निकालेंगे।

फार्म हाउस पर फसल उगा रहे हैं सलमान

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान इन दिनों अपने फार्म हाउस पर फसल उगा रहे हैं। सलमान खान इन दिनों परिवार के कुछ सदस्यों और यूलिया वंतूर के साथ पनवेल स्थित फार्म हाउस में ही समय बिता रहे हैं। हाल ही

में सलमान खान फार्म हाउस पर फसल उगाते नजर आए। सलमान ने इसका फोटो इंस्टाग्राम पर फैन्स के साथ शेयर किया है। इस तस्वीर में सलमान खान खेत के बीचो–बीच खड़े हुए हैं। फोटो को शेयर करते हुए सलमान खान ने कैप्शन में लिखा, "दाने दाने पर लिखा होता है, खाने वाले का नाम। जय जवान, जय किसान। सलमान जल्द ही फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड हीरो' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिशा पटानी और रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म ईद पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन लकडाउन के कारण फिल्म की रिलीज डेट टल गई है। चर्चा हो रही है कि अब यह फिल्म दीवाली पर रिलीज हो सकती है।

बच्चन परिवार को कोरोना

मुंबई। हिंदी फिल्मों के महानायक और कोरोना वायरस के मसले पर लोगों को जागरूक करने के लिए शुरू हुए भारत सरकार के अभियान के ब्रांड एंबेसेडर अमिताभ बच्चन और उनके परिवार के तीन

और सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन के कोरोन पजिटिव होने का पता शनिवार की रात को चला था, जबकि रविवार को उनकी बहू ऐश्वर्या राय बच्चन और आठ साल की पोती आराध्या बच्चन के संक्रमित होने की सूचना रविवार को मिली। बच्चन परिवार के अलावा एक और मशहूर अभिनेता अनुपम खेर की मां सहित परिवार के तीन सदस्य संक्रमित हो गए हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ड. राजेश टोपे ने बच्चन परिवार के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की है। अमिताभ और अभिषेक बच्चन ने खुद भी ट्विट करके इसकी जानकारी दी थी। दोनों को नानावती अस्पताल में भरती कराया गया है। ऐश्वर्या और उनकी बेटी के हल्के असिम्प्टमैटिक लक्षणों को देखते हुए उन्हें जलसा वाले घर में ही होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। अमिताभ की बेटी श्वेता नंदा और उनके बेटे, बेटी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जया बच्चन रिपोर्ट भी निगेटिव आई हैं और उन्हें भी होम क्वरेंटाइन में रहने को कहा गया है। बच्चन परिवार के संपर्क में आए ५४ लोगों में से ३० का कोरोना टेस्ट हो चुका है, जिनकी रिपोर्ट सोमवार को आएगी। इस बीच बृहन्नमुंबई महानगरपालिका, बीएमसी ने सैनिटाइज करने के बाद अमिताभ के चारों बंगले जलसा, प्रतीक्षा, वत्स और जनक को सील कर दिया है। इस बीच नानावती अस्पताल की ओर से रविवार को शाम चार बजे मीडिया को बताया गया है कि भर्ती होने के १६ घंटे के बाद अमिताभ और अभिषेक दोनों की हालत स्थिर हैं। दोनों आइसोलेशन वार्ड में अलग–अलग कमरों में हैं और दोनों के लक्षण हल्के हैं। डक्टर कोरोना के साथ अमिताभ की पुरानी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए उनका इलाज कर रहे हैं। इससे पहले ड. टोपे ने ट्विट करके कहा– ऐश्वर्या राय बच्चन और उनकी बेटी आराध्या भी कोविड–१६ पजिटिव पाए गए हैं। जया जी का टेस्ट निगेटिव आया है। हम बच्चन परिवार के जल्दी ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक